भारत सरकार
रेल मंत्रालय

लोक सभा
03.12.2025 के
अतारांकित प्रश्न सं. 478 का उत्तर

तमिलनाडु में वंदे भारत ट्रेन

478. डॉ. कलानिधि वीरास्वामी:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) तमिलनाडु सहित दक्षिणी राज्यों में वर्तमान में कुल कितनी वंदे भारत ट्रेनें चलाई जा रही हैं;

(ख) क्या सरकार का विचार चालू अथवा अगले वित्त वर्ष के दौरान दक्षिण के क्षेत्र के प्रमुख शहरों और कस्बों को जोड़ने वाले नए वंदे भारत रूट शुरू करने का है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) वंदे भारत सेवाओं के लिए नये मार्गों का चयन करने तथा क्षेत्रीय संतुलन को ध्यान में रखते हुए सरकार द्वारा अपनाये गये मानदंडों का ब्यौरा क्या है; और

(घ) क्या सरकार को अतिरिक्त वंदे भारत ट्रेनों के संबंध में दक्षिणी राज्यों से कोई ज्ञापन/मांग प्राप्त हुई है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और उन पर क्या कार्रवाई की गई है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (घ): चूँकि, रेल नेटवर्क राज्य की सीमाओं के आर-पार होता है, इसलिए नेटवर्क की ज़रूरत के हिसाब से, इन सीमाओं के आर-पार गाडियाँ चलाई जाती हैं।

किसी भी मार्ग/खंड पर वंदे भारत गाड़ी सेवा समेत नई गाडियां चलाना कई कारकों पर निर्भर करता है, जिनमें शामिल हैं:

- **उस खंड की क्षमता,**
- **मार्ग की उपलब्धता,**

- **अपेक्षित चल स्टॉक की उपलब्धता,**
- **चल स्टॉक के लिए एकसमान अवसंरचना की उपलब्धता,**
- **रेलपथ और दूसरी संपत्तियों की देखरेख की ज़रूरत**

भारतीय रेल द्वारा चलाई जा रही 164 वंदे भारत सेवाओं में से दक्षिणी राज्यों में मौजूद अलग-अलग स्टेशनों पर आरंभ होने/समाप्त होने के आधार पर सेवाओं की संख्या नीचे दी गई है:

राज्य	**वंदे भारत सेवाओं की संख्या**
तमिलनाडु	**16 सेवाएं**
केरल	**6 सेवाएं**
कर्नाटक	**22 सेवाएं**
आंध्र प्रदेश	**12 सेवाएं**
तेलंगाना	**10 सेवाएं**

वंदे भारत गाड़ियां और इसके वेरिएंट्स समेत गाड़ियों को शुरू करने के लिए संसद सदस्यों, चुने गए प्रतिनिधियों, संगठनों/रेल उपयोगकर्ताओं वगैरह से औपचारिक और अनौपचारिक दोनों तरह के प्रस्ताव/अनुरोध/सुझाव/अभ्यावेदन रेलवे बोर्ड, क्षेत्रीय रेलवे, मंडल कार्यालय आदि विभिन्न स्तरों पर मिले हैं। चूँकि ऐसे प्रस्ताव/अनुरोध/सुझाव मिलना एक निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है, इसलिए ऐसे अनुरोध का केंद्रीकृत संग्रह नहीं रखा जाता है। हालांकि, समय-समय पर इनकी जांच की जाती है और जो सही और उचित लगता है, उस पर कार्रवाई की जाती है।

******